No. of Printed Pages : 6

BPYC–132

BACHELOR OF ARTS (GENERAL)

PHILOSOPHY (BAG)

Term-End Examination

December, 2023

BPYC-132 : ETHICS

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to Question No. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

1. What is consequentialism ? Discuss Mill's utilitarianism with reference to the same. 20

Or

Describe Emotivism and explain its significance in Moral Philosophy. 20

2. Discuss in detail Kant's Categorical imperative. How is it different from the Hypothetical imperative ? 20

Or

What is Subjectivism ? Discuss David Hume's views on Ethical Subjectivism. 20

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each :

   (a) What is the difference between Ethical Naturalism and Ethical Non-Naturalism ? 10

   (b) Write a short note on Aristotle's Virtue Ethics and its appraisal by Elizabeth Anscombe. 10

   (c) Discuss Prescriptivism and its importance in Moral Philosophy. 10

   (d) Explain the different approaches to the study of ethics. 10

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

   (a) Discuss the characteristics of Teleological Theories. 5

   (b) Write a short note on Metaethics. 5

   (c) What is the role of reason in Morality ? 5

   (d) Explain the difference between Act and Rule Utilitarianism. 5

(e) Describe the principles of Buddhist Moral Views. 5

(f) Write a short note on Christian Vices. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

(a) Socrates' views on virtue 4

(b) Simple subjectivism 4

(c) Intuitionism 4

(d) Plato's Cardinal Virtues 4

(e) Virtues in Hinduism 4

(f) Eudaimonia 4

(g) Moral Action 4

(h) Ethical Cognitivism 4

BPYC–132

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (दर्शनशास्त्र)

(बी. ए. जो.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

बी. पी. वाई. सी.-132 : नीतिशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी पश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रश्न संख्या ***1*** *और* ***2*** *में से प्रत्येक का उत्तर लगभग* ***400*** *शब्दों में दीजिए।*

---

1. परिणामवाद क्या है ? परिणामवाद के सन्दर्भ में मिल के उपयोगितावाद की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

संवेगवाद का वर्णन कीजिए और नैतिक दर्शन में इसके महत्व की व्याख्या कीजिए। 20

2. काण्ट के निरपेक्ष आदेश की विस्तारपूर्वक चर्चा कीजिए। यह सापेक्ष आदेश से किस तरह भिन्न है ? 20

अथवा

व्यक्तिनिष्ठवाद क्या है ? नीतिशास्त्रीय व्यक्तिनिष्ठवाद पर डेविड ह्यूम के दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200–200** शब्दों में दीजिए :

(क) नैतिक प्रकृतिवाद एवं नैतिक गैर–प्रकृतिवाद के मध्य क्या अन्तर है ? 10

(ख) अरस्तू के सद्‌गुण नीतिशास्त्र एवं एलिजाबेथ एन्सकोम्ब द्वारा कृत इसके मूल्यांकन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 10

(ग) परामर्शवाद एवं नैतिक दर्शन में इसके महत्व की चर्चा कीजिए। 10

(घ) नीतिशास्त्र के अध्ययन के विभिन्न दृष्टिकोणों की व्याख्या कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों क उत्तर लगभग **150–150** शब्दों में दीजिए :

(क) उद्देश्यपरक सिद्धान्त की विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 5

(ख) अधिनीतिशास्त्र पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5

(ग) नैतिकता में तर्क की क्या भूमिका है ? 5

(घ) कृत्य-उपयोगितावाद एवं नियम-उपयोगितावाद के मध्य अन्तर की व्याख्या कीजिए। 5

(ङ) बौद्ध दर्शन के नैतिक विचारों का वर्णन कीजिए। 5

(च) ईसाई धर्म द्वारा प्रतिपादित अवगुणों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिपत टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) सद्‌गुण सम्बन्धी सुकरात के विचार 4

(ख) सरल व्यक्तिनिष्ठवाद 4

(ग) अन्तःप्रज्ञावाद 4

(घ) प्लेटो के मुख्य सद्‌गुण 4

(ङ) हिन्दू धर्म के सद्‌गुण 4

(च) परमसुख (यूडाईमोनिया) 4

(छ) नैतिक कृत्य 4

(ज) नीतिशास्त्रीय संज्ञानवाद 4